कानपुर, शनिवार
16 मई 2026
कानपुर देहात संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
उत्तर प्रदेश, दिल्ली, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

'बुंदेलखंड में सूखे का डर, कम पानी वाली फसलें करें'

कृषि मंत्री ने कहा, अल नीनो का असर बन सकता सूखे का कारण

जागरण संवाददाता, कानपुर : प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शुक्रवार को इस वर्ष मौसम में अल नीनो के असर से सूखा पड़ने की आशंका जताई। उन्होंने कहा कि किसान पिछले दो माह से मौसम में हो रहे बदलावों को देख रहे हैं। इसे ध्यान में रखते हुए विशेषकर बुंदेलखंड के किसानों को चाहिए कि वो कम पानी की लागत वाली फसलों पर जोर दें। वह चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) के कैलाश भवन में कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में कानपुर, झांसी एवं चित्रकूट धाम मंडल की संयुक्त मंडलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी-2026 को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

कृषि मंत्री ने कहा कि प्रदेश में चार लाख हेक्टेयर दलहनी खेती का आच्छादन बढ़ाया जाना है। प्रदेश में इस वर्ष 95 करोड़ रुपये प्राकृतिक खेती योजना के अंतर्गत व्यय किया जाना है। उन्होंने कहा कि धान की खेती करने की होड़ में ऐसे क्षेत्र जो दलहन फसलों की पहचान हुआ करते थे, वे पीछे हो गए। पूरे प्रदेश के दलहन उत्पादन में अकेले बुंदेलखंड का योगदान अधिक हुआ करता था। ऐसे क्षेत्रों में किसानों ने दलहन की फसलें लगानी कम कर दी। परिणामतः आज दालों का आयात करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि किसानों को गोपालन और कंपोस्ट बनाने को प्राथमिकता देनी होगी। किसान को गैस भी बनानी है और जहर मुक्त खेती करनी है। हर किसान को खुद से संकल्प लेना है कि वो खेतों में केमिकल फर्टिलाइजर का प्रयोग कम से कम करेंगे। अच्छे बीजों को लगाना शुरू करेंगे। गोष्ठी में किसानों ने मंत्री के समक्ष कृषि क्षेत्र में आने वाली समस्याओं को बेबाकी से रखा। प्रमुख सचिव रवीन्द्र ने कहा कि किसान अपनी फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से कराएं। गोष्ठी में झांसी मंडलायुक्त विमल कुमार दुबे सहित 13 जिलों के सीडीओ व अधिकारी व किसान मौजूद रहे।

साइकिल खरीदें कृषि विश्वविद्यालय : कृषि मंत्री ने कहा कि मंत्रियों के स्वागत के लिए अधिकारियों को जिले की सीमा पर आने की जरूरत नहीं है। सभी कृषि विश्वविद्यालयों को 100-100 साइकिलें खरीदें।

कानपुर, झांसी एवं चित्रकूट धाम मंडल की संयुक्त मंडलीय गोष्ठी में कृषि मंत्री ने दलहनी खेती पर जोर दिया

सीएसए में गोष्ठी को संबोधित करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ● जागरण

95 करोड़ रुपये प्रदेश में इस वर्ष प्राकृतिक खेती योजना के अंतर्गत व्यय किया जाना है, इससे बढ़ेगी उत्पादकता

सूखे और बाढ़ के लिए जिम्मेदार है अलनीनो

वरिष्ठ विशेषज्ञ (मौसम) डा. एसएन सुनील पांडेय ने बताया कि अल नीनो प्रशांत महासागर में होने वाली एक जटिल और विनाशकारी मौसम संबंधी घटना है। इससे मानसून कमजोर पड़ता है। सूखे की स्थिति बन जाती है। भीषण गर्मी के साथ लू चलती है। यह घटना आमतौर पर हर दो से सात साल में एक बार होती है और लगभग नौ से 12 महीनों तक सक्रिय रहती है।

कृषि मंत्री के सामने छलका किसानों का दर्द

जागरण संवाददाता, कानपुर : मंडलीय खरीफ गोष्ठी में कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही के सामने किसानों को बोलने का मौका मिला तो उनका दर्द छलक पड़ा। किसानों ने सरकारी सिस्टम में उपेक्षा किए जाने के आरोप लगाए। किसानों ने कहा कि लाइनमैन और बिजली विभाग के लोग आए दिन बिजली कनेक्शन काट जाते हैं। इस वजह से फसलों में समय से सिंचाई नहीं हो पाती है। जालौन के किसान शिवशंकर चतुर्वेदी ने कहा कि जो गेहूं खरीद केंद्र चल रहे हैं इसमें सभी किसानों की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। न्याय पंचायत स्तर पर मूंग के कांटे नहीं लगे हैं। महोबा से आए किसान महेश चंद ने कहा कि चार साल से गेहूं और मूंगफली नहीं बिक पा रहा है। इसके अलावा, कानपुर देहात के अधिकारी ने जिले में सोलर पंप का सर्विस सेंटर न होने से किसानों को दिक्कतें आने की बात कही। फर्रुखाबाद के अधिकारी ने कहा कि बाढ़ क्षेत्र एरिया है। इससे करीब नौ हजार हेक्टेयर भूमि प्रभावित होती है। तटबंध बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा गया है और सर्वे हो चुका है। एक किसान ने कहा कि मक्का अधिक होने की वजह से बरसात से पहले इन्हें सुखाने में समस्या आती है। अधिकांश किसान सड़क पर मक्का सुखाने को मजबूर होते हैं। किसानों के लिए मक्का सुखाने वाली मशीन उपलब्ध कराई जाए। इटावा के सीडीओ ने कहा कि मक्का सुखाने के लिए एक मशीन खरीदने की जरूरत है। इसके लिए जल्द ही प्रस्ताव भेज देंगे। कानपुर नगर के सीडीओ ने कहा कि फूड प्रोसेसिंग यूनिट की जरूरत है।

कार्यालय सदस्य सचिव राजस्थान मेडिकेयर रिलीफ़ सोसायटी एवं अधीक्षक सर पदमपत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान जयपुर

क्रमांक – एसपीआईएनएंड/लेखा/निविदा/2026/1834 दिनांक – 12.05.2026

ई निविदा सूचना संख्या : 1835 / 12.05.26

सदस्य सचिव एवं अधीक्षक, सर पदमपत नवजात एवं शिशु स्वास्थ्य संस्थान (जे. के. लोन), जयपुर द्वारा चिकित्सालय के मरीजों हेतु दवाओं, सर्जिकल एवं कंज्यूमेबल आइटम्स की अति आवश्यकता (Urgent Base) मांग अनुसार तत्काल आपूर्ति की जानी है। इस हेतु अनुभवी संवेदकों/फर्मों से निर्माता द्वारा जारी मूल मुद्रित एमआरपी पर अधिकतम डिस्काउंट के आधार पर ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया के माध्यम से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। कार्य की अनुमानित लागत 200.00 लाख रू. है तथा निविदा की विस्तृत नियम व शर्तों की जानकारी ई-प्रोक पोर्टल eproc.rajasthan.gov.in एवं State Public Procurement Portal Government of Rajasthan की वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in पर SMS2627GLRC00071 पर भी देखी जा सकती है।

NIB – SMS2627A0060
DIPR/C/8576/2026 सदस्य सचिव एवं अधीक्षक

अमर उजाला

कानपुर
शनिवार, 16 मई 2026
प्रथम ज्येष्ठ-अमावस्या
विक्रम संवत-2083

सूखे की संभावना, कम पानी वाली फसलें अपनाएं : शाही

कृषि मंत्री ने बुंदेलखंड के किसानों को दी सलाह

अमर उजाला ब्यूरो

कानपुर। कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने किसानों को इस वर्ष संभावित सूखे के प्रति सतर्क करते हुए कम पानी वाली फसलों को अपनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि बुंदेलखंड क्षेत्र के किसानों को कम पानी में तैयार होने वाली फसलों पर जोर देना चाहिए।

कृषि मंत्री शुक्रवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय (सीएसए) के कैलाश भवन में आयोजित कानपुर, झांसी और चित्रकूट धाम मंडल की संयुक्त मंडलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बुंदेलखंड के किसानों से दलहन, तिलहन और कम पानी वाली फसलों की ओर लौटने का आह्वान किया। ब्यूरो

स्वागत के लिए जिले की सीमा पर आने की जरूरत नहीं:

कृषि मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को कार पूलिंग अपनाने के निर्देश दिए और कहा कि किसी मंत्री के स्वागत के लिए अधिकारियों को जिले की सीमा तक आने-जाने की आवश्यकता नहीं है। प्रदेश के सभी कृषि विश्वविद्यालयों को सौ-सौ साइकिलें खरीदने के निर्देश दिए हैं ताकि परिसर में दोपहिया और चारपहिया वाहनों के बजाय साइकिलों का उपयोग हो सके। उन्होंने बताया कि रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में प्राकृतिक उत्पादों की टेस्टिंग लैब स्थापित हो चुकी है, जहां किसानों के उत्पादों को प्रमाणीकरण मिल सकेगा।

सीएसए में गोष्ठी को संबोधित करते कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही। संवाद

उत्तराखण्ड चिकि
लेन नं० 3 भवन नं० 23, शास्त्रीनगर
Website : www.ukmssb.org, Email:
विज्ञप्ति संख्या :– 15/2026
–:असिस्टेन्ट

आज 16/05/2026 महानगर

बारिश होगी कम : धान नहीं तिलहन व दलहन की फसल उगायें किसान

बुंदेलखंड के किसानों को मंत्री सूर्यप्रताप शाही की सलाह

(आज समाचार सेवा)

कानपुर, 15। बुंदेलखण्ड के किसान इस बार धान की खेती पर फोकस न करें. अगर किया तो धान की फसल खराब होने की प्रबल संभावन है। मानसून का चक्र इस बार अलनीनो की वजह से बिगड़ने की संभावना है। बुंदेलखण्ड के किसानों को दलहन की खेती करनी चाहिए जिसमें उनको कम लागत में अच्छा लाभ मिलेगा। यह विचार मण्डलीय खरीफ फसल गोष्ठी में भाग लेने प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सीएसए के कैलाश सभागार में व्यक्त किये। चितकूटधाम एवं झांसी मण्डल व कानपुर मण्डल की संयुक्त मण्डलीय खरीफ उठपादकता गोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, में किया गया। श्री शाही ने कहा कि आर्गेनिक खेती पर किसानों को फोकस करना चाहिए। केमिकल युक्त खाद से बचना चाहिए क्योंकि यह मिट्टी की सेहत खराब कर रही है। प्राकृतिक खेती करने से किसानों की आय बढ़ेगी बागवानी की खेती करके शासन से मिल रही छूट का फायदा उठाएं। किसानों को हर हार में फार्मिंग रजिस्ट्रेशन करा लेना चाहिए। कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों ने दीप जलाकर किया। मुख्य अतिथि शाही ने कहा कि वैदिक काल से भारत में प्राकृतिक खेती की परंपरा रही है, जिसके कारण लोग स्वस्थ एवं निरोगी जीवन जीते थे। वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से अनेक गंभीर बीमारियां उठपन्न हो रही हैं। प्रदेश में 110 लाख हेक टेयर क्षेत्र में क्षेला में उत्पादन विस्तार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा गेहूं और धान का उत्पादन कम करने की आवश्यकता है। साथ ही दलहनी फसलों का क्षेलाफल चार लाख हेक टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश सरकार इस वर्ष प्राकृतिक खेती योजना में 95 करोड़ रुपये व्यय करेगी। प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करने तथा हरी खाद एवं जैविक खाद के अधिकाधिक उपयोग का आह्वान किया। रासायनिक उर्वरकों के अधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है। कृषि निदेशक डॉ. पंकज तिपाठी ने कहा कि चितकूटधाम एवं झांसी मण्डल में जल संकट की स्थिति को देखते हुए दलहन, तिलहन, मूंगफली एवं रागी जैसी कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। सभी बीज गोदामों पर बीज की दर एवं उपलब्ध माता का स्पष्ट अंकन सुनिश्चित किया जाए। प्रोग्राम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, बीज विकास निगम के निदेशक टी.एम. तिपाठी, सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक योगेश, अपर कृषि निदेशक आशुतोष मिश्रा, अपर कृषि निदेशक अनिल कुमार पाठक, कानपुर मण्डल के आयुक्त एवं जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, झांसी मण्डल के आयुक्त विमल कुमार दुबे, संयुक्त कृषि निदेशक डॉ. आर.एस. वर्मा सहित 13 जनपदों के मुख्य विकास अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। संचालन सेवानिवृत्त सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) शिव आसरे पांडेय ने किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते सूर्यप्रताप शाही।

संयुक्त मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी सम्पन्न, किसानों को दी गई आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी

तीन मंडलों की गोष्ठी में सैकड़ों लीटर डीजल व पेट्रोल बर्बाद

(आज समचार सेवा)

कानपुर, 15 मई। चन्द्रशेखर कृषि एवं प्रोद्यौगिकी विवि के कैलाश सभागार में शुक्रवा र को आयोजित खरीफ फसल उत्पादकता मण्डलीय गोष्ठी में करीब 13 जिलों के सीडीओ व अन्य अधिकारियों को लाव लश्कर सैकड़ों लीटर डीजल व पेट्रोल फूंककर सीएसए पहुंचा। प्र देश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने अगर पीएम नरेन्द्र मोदी व सीएम योगी की अपील पर अमल किया होता तो प्रत्येक मंडल में पहुंचकर इस गोष्ठी को कर सकते थे लेकिन वह ऐसा नहीं कर सके। जबकि हकीकत यह थी कि सीएसए कैंपस में खड़ी अधिकारियों की गाड़ियां गोष्ठी के खत्म होती ही ड्राइवर ने स्टार्ट करके खड़ा कर दिया ताकि साहब को गर्मी न लगे। मंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने सभी अधिकारियों को सलाह दी है कि वह उनके स्वागत में जिले के बार्डर पर न पहुंचे। अगर किसी जिले में सामान्य दौरा है तो किसी अधिकारी को आने की जरूरत नही है। मंत्री ने किसानों से भी कहा कि वह सिंचाई के लिए ज्यादा डीजल न खर्च करें सीमित उपयोग करें तकनीक का प्रयोग सिंचाई में करे ताकि कम खर्च ज्यादा लाभ उठा सकें। कृषि निदेशक से भी कहा कि पेट्रोलियम पदार्थ की बचत करने के लिए अधिकारियों से बाता करें। यही नहीं गोष्ठी में अधिक संख्या में किसानों को बुला लिया गया लेकिन उनके बैठने का इंतजाम नहीं था। किसान उमसभरी गर्म में इधर से उधर भटकते रहे। कैलाश सभागार एसी होने के बाद भी वहां भीड़ की वजह से बैठना मुश्किल हो रहा था।

● प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री की अपील मंत्री व अधिकारियों के ठेंगे पर

अंक-67 कानपुर, शनिवार 16 मई 2026 पृष्ठ-8

दैनिक
आज का कानपुर

प्राकृतिक खेती से समृद्ध होगा प्रदेश, खरीफ में दलहन-तिलहन बढ़ाने पर जोर

कानपुर में संयुक्त मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी सम्पन्न, किसानों को दी गई आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी

आज का कानपुर

कानपुर। चित्रकूटधाम एवं झांसी मण्डल की संयुक्त मण्डलीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी-2026 तथा जनपद स्तरीय खरीफ उत्पादकता गोष्ठी का आयोजन शुक्रवार को चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, कानपुर के कैलाश भवन ऑडिटोरियम में प्रमुख सचिव कृषि, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही रहे।कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि एवं अन्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। गोष्ठी परिसर में कृषि, बीज, कृषि रक्षा, मृदा परीक्षण, भूमि संरक्षण, रेशम, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण, लघु सिंचाई, इफको, कृभको, किसान कॉल सेंटर तथा पशुपालन विभाग सहित विभिन्न सरकारी एवं निजी संस्थाओं द्वारा कृषि प्रदर्शनी एवं स्टॉल लगाए गए। तीनों मण्डलों के किसानों ने गोष्ठी में प्रतिभाग कर आधुनिक कृषि तकनीकों एवं योजनाओं की जानकारी प्राप्त की।मुख्य अतिथि सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि वैदिक काल से भारत में प्राकृतिक खेती की परंपरा रही है, जिसके कारण लोग स्वस्थ एवं निरोगी जीवन जीते थे। वर्तमान समय में रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से अनेक गंभीर बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 110 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में खाद्यान्न उत्पादन विस्तार का लक्ष्य निर्धारित किया गया है तथा गेहूं और धान के अत्यधिक आच्छादन को कम करने की आवश्यकता है। साथ ही दलहनी फसलों का क्षेत्रफल चार लाख हेक्टेयर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा इस वर्ष प्राकृतिक खेती योजना के अंतर्गत 95 करोड़ रुपये व्यय किए जाएंगे।प्रमुख सचिव कृषि रवीन्द्र ने किसानों से रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम करने तथा हरी खाद एवं जैविक खाद के अधिकाधिक उपयोग का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति प्रभावित हो रही है। उन्होंने किसानों को फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से कराने की सलाह देते हुए कहा कि भविष्य में बिना फार्मर रजिस्ट्री के कृषि विभाग की योजनाओं का लाभ प्राप्त करना संभव नहीं होगा।कृषि निदेशक डॉ. पंकज त्रिपाठी ने कहा कि चित्रकूटधाम एवं झांसी मण्डल में जल संकट की स्थिति को देखते हुए दलहन, तिलहन, मूंगफली एवं रागी जैसी कम पानी वाली फसलों को बढ़ावा दिया जाना आवश्यक है। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बीज गोदामों पर बीज की दर एवं उपलब्ध मात्रा का स्पष्ट अंकन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही जल संरक्षण के लिए चेकडैम निर्माण की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि वर्षा जल का संचयन कर सिंचाई हेतु पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सके।गोष्ठी में तीनों मण्डलों के 13 जनपदों के मुख्य विकास अधिकारियों ने अपने-अपने जनपदों की कृषि संबंधी समस्याओं एवं सुझावों को रखा। प्रत्येक जनपद से आए किसानों ने भी अपनी समस्याओं से अधिकारियों को अवगत कराया, जिनके समाधान हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए।विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा किसानों को खरीफ फसलों, तिलहन, दलहन, मृदा स्वास्थ्य, धान उत्पादन एवं पशुपालन से संबंधित तकनीकी जानकारी प्रदान की गई। वैज्ञानिकों ने किसानों को समय-समय पर कृषि संबंधी परामर्श उपलब्ध कराने हेतु अपने मोबाइल नंबर भी साझा किए। इस अवसर पर जनपद कानपुर नगर के ई-लॉटरी में चयनित चार किसानों को ढैंचा बीज मिनीकिट वितरित किए गए।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. संजीव गुप्ता, गौ सेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता, बीज विकास निगम के निदेशक टी.एम. त्रिपाठी, सहकारिता विभाग के आयुक्त एवं निबंधक योगेश, अपर कृषि निदेशक आशुतोष मिश्रा, अपर कृषि निदेशक अनिल कुमार पाठक, कानपुर मण्डल के आयुक्त एवं जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह, झांसी मण्डल के आयुक्त विमल कुमार दुबे, संयुक्त कृषि निदेशक डॉ. आर.एस. वर्मा सहित 13 जनपदों के मुख्य विकास अधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन सेवानिवृत्त सहायक विकास अधिकारी (कृषि रक्षा) शिव आसरे पाण्डेय ने किया। अंत में संयुक्त कृषि निदेशक डॉ. आर.एस. वर्मा ने सभी अतिथियों, अधिकारियों एवं किसानों का आभार व्यक्त करते हुए गोष्ठी के समापन की घोषणा की।

मां गायत्री महिला महाविद्यालय
रूरा - जनपद - कानपुर देहात
सम्बद्ध - छ0 शा0 जी महा0 वि0 वि0 कानपुर।

आवश्यकता है

प्राचार्य एवं स्नातक स्तर पर विज्ञान संकाय हेतु सहायक आचार्यों की। विषय : गणित, जन्तु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान।

योग्यता एवं मानक तथा मानदेय यू0जी0सी0 तथा छ0शा0 जी महा0 वि0 वि0 कानपुर के मानकानुसार।

अतिशीघ्र आवेदन करें।

भवदीय
प्रबंधक/सचिव
9305591719